MAHD-06

December - Examination 2019

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन A में 8 (आठ) अति लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे (एक शब्द, एक वाक्य और परिभाषात्मक प्रकार के) सभी अनिवार्य है। हर प्रश्न 2 (दो) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 16 होगा।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) उपन्यास की परिभाषा लिखिए।

(ii) 'परीक्षा गुरु' उपन्यास के रचयिता कौन हैं?

(iii) अज्ञेय के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(iv) 'समय सरगम' उपन्यास की मूल संवेदना संक्षिप्त में लिखिए।

(v) 'मधुआ' कहानी में शराबी का व्यक्तित्व कैसा है? लिखिए।

(vi) 'पत्नी' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम बताते हुए, कहानीकार का भी नाम बताइए।

(vii) 'रजुआ' से मोहल्लेवाले कैसा बर्ताव करते हैं? चित्रित कीजिए।

(viii) कृष्णा सोबती कृत 'सिक्काबदल गया' कहानी में साम्प्रदायिक भयावहता किस प्रकार दिखाई देती है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन B में 08 (आठ) लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को कोई 4 (चार) प्रश्न करने होंगे। हर प्रश्न 08 (आठ) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 32 होगा।

2) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्यवस्था कीजिए।

'इन दोनों के पीछे छिपे खड़े दीक्षित साहब को यह सब सुना रहे हैं, ''साले हमारे जबान को कहेंगे वर्नाक्यूलर...। जानते है वर्नाक्यूलर माने क्या होता है? वर्नाक्यूलर मीन्स द लैंग्वेज ऑफ रोमन स्लेव्ज... जन्म जन्मांतरों के गुलामों की जबान...''

3) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''शशि, शक्ति मेरे पास रही है। पर मैंने उसे जाना नहीं, आजीवन मैं विद्रोही रहा हूँ पर बराबर मैं अपनी विद्रोही शक्ति को व्यर्थ बिखेरता रहा हूँ... एक दिन तुम्हारे ही मुख ने मुझे यह दिखाया कि 'लड़ना स्वयं साध्य नहीं है, लड़ने के लिए लड़ना निष्परिणाम है : कि विद्रोह किसी के विरुद्ध होना चाहिए – ईश्वर, समाज, रोग, मृत्यु, माता–पिता, अपना–आप, प्यार कुछ भी हो जिसके विरुद्ध विरोध किया जा सके।

4) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''वह जानती है कि जिसे 'सरकार' कहते हैं, वह सरकार उनके इस तरह के कामों से बहुत नाराज है। सरकार, सरकार है। उसके मन में कोई स्पष्ट भावना नहीं है कि 'सरकार क्या होती है', पर यह जितने हाकिम लोग होते हैं, वे बड़े जबरदस्त होते हैं और उनके पास बड़ी–बड़ी ताकते हैं। इतनी फौज, पुलिस के सिपाही, मजिस्ट्रेट और मुंशी और चपरासी और थानेदार और वायसराय ये सब सरकार के ही हैं। इस सबसे कैसे लड़ा जा सकता है?

5) न्मिनलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''क्या कह रही है शाहनी आज! आज शाहनी क्या, कोई भी कुछ नहीं कह सकता। यह होके रहेगा – क्यों न हो? हमारे ही भाई–बंदों से सूद ले लेकर शाहजी सोने की बोरियाँ तोला करते थे। प्रति हिंसा की आग शेरे की आँखों में उतर आयी। गँड़ासे की याद हो आयी। शाहनी की ओर देखा – नहीं – नहीं, शेरा इन पिछले दिनों में तीस–चालीस कतल कर चुका है... पर वह ऐसा नीच नहीं... सामने बैठी शाहनी नहीं, शाहनी के हाथ उसकी आँखो में तैर गए।''

6) 'शेखरः एकजीवनी' उपन्यास के प्रमुख पात्र शेखर एवं शारी का चरित्र चित्रण कीजिए।

7) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में ऐतिहासिक यथार्थ का चित्रण हुआ है।'' इस कथन पर विचार प्रकट कीजिए।

8) 'पिता' कहानी के कथ्य का उद्घाटन कीजिए।

9) 'मेरा दुश्मन' कहानी के परिवेश और प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन C में 4 (चार) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। इनमें आन्तरिक चयन की सुविधा होगी। परीक्षार्थी को कोई 2 (दो) प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 (सोलह) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 32 होगा।

10) "महाराजा का इलाज' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

11) कृष्षा सोबती की औपन्यासिक दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए 'समय सरगम' उपन्यास की संवेदना व शिल्प का विवेचन कीजिए।

12) 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी वर्तमान में बदलते सम्बन्धों की कहानी है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

13) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(क) नयी कहानी

(ख) सचेतन कहानी

(ग) प्रेमचन्द के उपन्यास

(घ) मनोविश्लेषवादी उपन्यास